विषयानुक्रम.

प्रथम सर्ग.

आत्मा और उनके लक्षण. १

द्वितीय सर्ग.

प्रमाण विवर्ण... ... ... ३६

नय विवर्ण ६८

तृतीय सर्ग.

चारित्र वर्णन. (पंच महाव्रत, दशविध यतिधर्म और भावनाओंका वर्णन) १०५

चतुर्थ सर्ग.

गृहस्थ धर्म विषय. (श्रावक गुण वर्णन और व्यसन निषेध) १४१